प्रिलिम्स फैक्ट्स : 12 मार्च, 2021

drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-12-march-2021

भारत-बांग्ला मैत्री सेतु

भारत-बांग्ला मैत्री सेतु

(Bharat Bangla Maitri Bridge)

हाल ही में भारतीय प्रधानमंत्री ने दक्षिणी त्रिपुरा ज़िले में भारत-बांग्ला मैत्री सेतु का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु:

मैत्री सेतुः :

- 'मैत्री सेतु' नामक इस पुल का निर्माण फेनी नदी पर किया गया है जो भारत के त्रिपुरा राज्य और बांग्लादेश के बीच प्रवाहित होती है।
  फेनी नदी का उद्गम दक्षिणी त्रिपुरा ज़िले में होता है। यह नदी भारतीय सीमा की तरफ सबरूम शहर से गुज़रती है और बांग्लादेश में बहने के बाद बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है।
- 1.9 किलोमीटर लंबा यह पुल सबरूम (त्रिपुरा में) को रामगढ़ (बांग्लादेश में) के साथ जोड़ता है।
- 'मैत्री सेतु' नाम भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय और मैत्रीपूर्ण संबंधों में हो रही वृद्धि का प्रतीक है।

निर्माण और लागत:

इस पुल के निर्माण को राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (National Highways and Infrastructure Development Corporation- NHIDCL) द्वारा 133 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया गया है।

- गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड भारत सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है।
- यह भारत के राष्ट्रीय राजमार्गों और सामरिक सड़कों के विकास एवं रखरखाव के लिये उत्तरदायी है।

महत्त्व:

- इस पुल के उद्घाटन के बाद अब अगरतला (त्रिपुरा की राजधानी) भारत में एक अंतर्राष्ट्रीय समुद्री बंदरगाह से सबसे निकटतम शहर बन जाएगा।
- इसके अतिरिक्त त्रिपुरा, बांग्लादेश के चटगाँव बंदरगाह तक पहुँच प्राप्त करने के साथ ही 'पूर्वोत्तर का प्रवेशद्वार' (Gateway of North East) बन जाएगा, गौरतलब है कि चटगाँव बंदरगाह और सबरूम के बीच की दूरी मात्र 80 किमी. है।
    भारत और बांग्लादेश के बीच अंतर्देशीय जलमार्ग के माध्यम से पारगमन और व्यापार पर लंबे समय से स्थायी एवं प्रभावी प्रोटोकॉल लागू है।
- यह दोनों देशों के बीच एक नए व्यापार गलियारे के रूप में काम करेगा, जो पूर्वोत्तर राज्यों की प्रगति में सहायक होगा। साथ ही यह दोनों देशों के बीच नागरिक संपर्क को बढ़ाएगा।